Date
Page

निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए -

(1) टूटे से फिर न मिले, मिले गाँठ परि जाय।

उत्तर > जब कोई धागा एक बार टूट जाता है तो फिर उसे जोड़ा नहीं जा सकता। जोड़ने की कोशिश में उस धागे में गाँठ पड़ जाती है। किसी से रिश्ता जब एक बार टूट जाता है। तो फिर उस रिश्ते को दोबारा जोड़ा नहीं जा सकता। उसमें पहले जैसा कुछ नहीं रहता।

(2) सुनि अठिलैहैं लोग सब, बाँटि न लैहैं कोय।

उत्तर > अपने दर्द को दूसरों से छुपा कर ही रखना चाहिए। जब आपका दर्द किसी अन्य को पता चलता है तो लोग उसका मज़ाक ही उड़ाते हैं। कोई भी आपके दर्द को बाँट नहीं सकता। सभी आपके दर्द में आपके माज़ाक ही बनाते हैं अतः सही है कि आप अपने दर्द को अपने मन में ही रखें।

(3) रहिमन मूलहिं सिंचिबो, फूलै, फलै अघाय।

उत्तर > एक बार में कोई एक कार्य ही करना चाहिए। एक काम में पूरा होने से कई काम अपने आप हो जाते हैं। यदि एक ही साथ आप कई लक्ष्य को प्राप्त करने की कोशिश करेंगे तो कुछ भी हाथ नहीं आता। यह वैसे ही है

Date
Page

जैसे जड़ में पानी डालने से ही किसी पौधे में फूल और फल आते हैं।

(4) दीरघ दोहा अरथ है, आखर थोरे आहिं।

उत्तर> किसी भी दोहे में कम से कम शब्दों में ही बहुत अर्थ छिपा होता है। यह वैसे ही होता है जैसे नट की कुंडली होती है। नट अपनी कुंडली में सिमट कर तरह तरह के आश्चर्यजनक करतब दिखा देते है।

(5) नाद ~~सीझ~~ रीझि तन देह मृग, नर देत समेत।

उत्तर> हिरण किसी के संगीत से खुश होकर अपना शरीर न्योछावर कर देता है। इसी तरह से कुछ लोग दूसरे के प्रेम से खुश होकर अपना सब कुछ दे देते हैं। परन्तु कुछ लोग इतनी स्वार्थी होते हैं कि वे दूसरों से तो बहुत कुछ ले लेते हैं लेकिन खुद बदले में कुछ भी नहीं देते।

(6) जहाँ काम आवे सुई, कहा करे तरवारी।

उत्तर> जहाँ छोटी चीजो की ज़रूरत होती है वहाँ पर बड़ी चीज़ो बेकार हो जाती है। जैसे जहाँ सूई की ज़रूरत होती है वहाँ तलवार काम नहीं होता। अतः किसी को छोटा समझ कर उसका मज़ाक नहीं उड़ाना चाहिए।

7) पानी गए न ऊबरै, मोती, मानुष, चून।

उत्तर) बिना पानी के न तो मोती बनता है, न आटा गूँधा जा सकता है और पानी के बिना मनुष्य भी असंभव है।

निम्नलिखित भाव को पाठ में किन पंक्तियों द्वारा अभिव्यक्त किया गया है लिखिए -

1) जिस पर विपदा पड़ती है वही इस देश में आता है।

उत्तर) जा पर बिपदा पड़त है, सो आवत यह देस।

2) कोई लाख कोशिश करे पर बिगड़ी बात फिर बन नहीं सकती।

उत्तर) बिगरी बात बनै नाहीं, लाख करो किन कोय।

3) पानी के बिना सब सूना है, अतः पानी अवश्य रखना चाहिए।

उत्तर) रहिमन पानी राखिए, बिनु पानी सब सून।